मोतीलाल नेहरू सांध्य महाविद्यालय

(दिल्ली विश्वविद्यालय)

वार्षिक विवरणिका

सत्र : 2013–2014

मंच पर विराजमान मुख्य अतिथि माननीय श्री अशोक वाजपेयी जी एवं स्टॉफ काउंसिल सचिव श्री नरेन्दर कुमार और मंच के सम्मुख बैठे सहयोगी शिक्षकगण, कर्मठ–कुशल कर्मचारी बंधुओं, प्रिय छात्र एवं छात्राओं –

मैं इस वार्षिकोत्सव के अवसर पर आपका हार्दिक अभिनंदन करता हूँ।

आपको यह जानकर अपार हर्ष होगा कि महान् विभूति प्रख्यात कानूनविद् एवं स्वतंत्रता सेनानी के नाम पर सन् 1965 में स्थापित यह 'मोतीलाल नेहरू महाविद्यालय' प्रारंभ में 'हस्तिनापुर कॉलेज' के नाम से जाना जाता था। पं0 मोतीलाल नेहरू सन् 1919 एवं 1920 में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के अध्यक्ष चुने गए। उन्होंने 1923 में देशबंधु चितरंजन दास के साथ मिलकर 'स्वराज पार्टी' की स्थापना भी की। आज भी इलाहाबाद का उनका आनंद भवन स्वतंत्रता आंदोलन की अमर गाथा को अपने भीतर संजोये हुए है, एवं सम्पूर्ण भारतवासियों के लिए एक प्रेरणापुंज भी है। पं0 मोतीलाल नेहरू भारत के प्रथम प्रधानमंत्री पं0 जवाहर लाल नेहरू के पिता एवं भारत की प्रथम महिला प्रधानमंत्री श्रीमती इंदिरा गांधी के दादा थे। पं0 मोतीलाल नेहरू के परिवार की राजनैतिक विरासत आज भी राष्ट्र–सेवा में अपनी सार्थकता के लिए संघर्षरत है।

हमें इस तथ्य का उल्लेख करते हुए गर्व का अनुभव हो रहा है कि इस कॉलेज के संस्थापक प्राचार्य, विख्यात शिक्षाविद् डॉ0 आर. के. भान थे। आने वाले वर्षों में डॉ0 शंकरदेव शर्मा 'अवतरे', डॉ0 सुरेशचन्द शर्मा जैसे साहित्य–प्रेमी एवं प्रशासनिक दक्षता वाले व्यक्तियों ने कॉलेज के प्राचार्य पदभार का दायित्व संभाला। इसके उपरांत डॉ0 बी. के. शर्मा ने दो वर्ष तक कॉलेज के कार्यवाहक प्राचार्य के रूप में दायित्व का निर्वाह किया।

आज के वार्षिकोत्सव के अवसर पर हमारे मुख्य अतिथि ऐसे व्यक्ति हैं जिनके लिए औपचारिक परिचय की आवश्यकता नहीं है तथापि इस औपचारिकता को निभाने में मैं गौरव का अनुभव करता हूँ।

आज के समारोह के मुख्य अतिथि माननीय श्री अशोक वाजपेयी जी जिनका परिचय प्रस्तुत करते हुए मुझे सुखद अनुभूति हो रही है।

श्री अशोक वाजपेयी जी I.A.S. (अवकाश प्राप्त भारतीय प्रशासनिक सेवा अधिकारी), कवि और कलाप्रेमी, साहित्यकार एवं आलोचक के रूप में जाने जाते हैं। आपका जन्म मध्य प्रदेश के दुर्ग में 1941 ई0 में हुआ था। आज दुर्ग छत्तीसगढ़ राज्य का हिस्सा है। आप ने दिल्ली विश्वविद्यालय से स्नातकोत्तर की उपाधि प्राप्त की। भारतीय प्रशासनिक सेवा में चयन के उपरान्त एक कुशल प्रशासक के रूप में अपने दायित्व का निर्वाह किया। आपने अपने बड़े पद की क्षणभंगुर संभावनाओं को दरकिनार करके सन् 2008 से 2011 ई0 तक ललित कला अकादमी (संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार) के अध्यक्ष के रूप में कार्य किया। आपका यह कार्य उल्लेखनीय रहा। आपको महात्मा गाँधी अंतर्राष्ट्रीय हिन्दी विश्वविद्यालय वर्धा के प्रथम कुलपति के रूप में कार्य करने का गौरव प्राप्त है। सम्प्रति आप 'भारत भवन' ट्रस्ट के अध्यक्ष, 'इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केन्द्र' के ट्रस्टी तथा 'संगीत नाटक अकादमी' की कार्यकारिणी समिति के सदस्य हैं। 'भारत भवन' आपकी प्रतिभा, मनोबल एवं असाधारण उद्यम का चश्मदीद गवाह है। मानव–प्रकृति का जो भी सुन्दर है उसको संजोये रखने का 'भारत भवन' एक केन्द्र है। यह अकारण नहीं है कि आप स्वयं सौंदर्य के संघर्ष के कवि हैं।

आज के हमारे मुख्य अतिथि श्री अशोक वाजपेयी जी की 23 से अधिक पुस्तकें प्रकाशित हैं। आपके कुछ महत्वपूर्ण काव्य संग्रह जो पुरस्कृत हैं –

'शहर अब भी संभावना है',

'एक पतंग अनंत में',

'तत्पुरूष',

'कहीं नहीं वहीं',

'घास में दुबका आकाश',

'बहुरि अकेला',

'इबारत से गिरी मात्राएँ',

'उम्मीद का दूसरा नाम',

'विवक्षा'

'थोड़ी सी जगह' (चुनी हुई प्रेमपरक कविताओं का संग्रह) आदि।

हाँ, हाल में ही आपका एक और कविता संग्रह प्रकाशित हुआ है 'कहीं कोई दरवाजा'। कला और साहित्य पर आपकी जो उल्लेखनीय आलोचनात्मक पुस्तकें हैं – 'फिलहाल', 'कुछ पूर्वाग्रह', 'समय से बाहर', 'कविता का गल्प' तथा 'सिढ़िया शुरू हो गई है'।

एक कवि और कला समीक्षक होने के साथ–साथ आप एक अनुवादक भी हैं। आपने पोलैंड के चार कवियों की रचनाओं का हिन्दी में अनुवाद किया है। आपके द्वारा अनुदित रचनाओं की लोकप्रियता का आलम यह है कि भारतीय भाषाओं के अतिरिक्त फ्रेन्च, अंग्रेजी तथा पोलिश भाषाओं में भी इनका अनुवाद किया गया है।

अपने श्रमसाध्य जीवन के बीच आपने 'पूर्वाग्रह', 'कविता एशिया' और 'बहुबचन' जैसी पत्रिका के संपादन का कार्य किया है।

आप कई विशिष्ट पुरस्कारों से सम्मानित हैं –
साहित्य अकादमी पुरस्कार, कबीर सम्मान एवं दयावती मोदी कवि शिखर सम्मान।

मैं इसका भी उल्लेख करना चाहूँगा कि आपके व्यक्तित्व की सबसे सशक्त कड़ी आप की शालीनता है। यही कारण है कि यदा–कदा आप नागवार प्रश्नों के उत्तर में मौन साध लेते हैं और प्रति–उत्तर स्वयं की रचना–धर्मिता के लिए छोड़ देते हैं। 'मौन भी अभिव्यंजना है' का परित्याग करके कभी–कभी ऐसे में ठहाका भी लगा लेते हैं।

आपसी निज़ता और संवाद के क्रम में आप जिन अनूठे शब्दों का प्रयोग करते हैं वह लम्बे समय तक स्मृति पटल पर होता है। मैं यह भी कहूँगा कि छात्र और प्रशासनिक जीवन से ही साहित्य और साहित्यिक गतिविधियों के लिए आपने महत्वपूर्ण योगदान दिया है। शायद ही ऐसा कोई विरला होगा जिसने अपने जीवन को आप की तरह समाज और साहित्य के लिए समर्पित किया हो। यही कारण है कि समाज, कला और साहित्य से जो आपकी मैत्री है वह आज भी विद्यमान है।

कॉलेज की गवर्निंग बॉडी

वर्तमान गवर्निंग बॉडी के अध्यक्ष प्रोफेसर जे. पी. खुराना हैं। प्रोफेसर जे. पी. खुराना प्लांट मोलिक्यूलर बायोलॉजी डिपार्टमेंट, दक्षिण परिसर दिल्ली विश्वविद्यालय में कार्यरत हैं। आप अंतर्राष्ट्रीय ख्याति के वैज्ञानिक हैं। आपको 1985–86 में स्मिथसोनियन इंस्टीट्यूट,

वाशिंगटन एवं 1986–1988 में मिशिगन स्टेट यूनिवर्सिटी द्वारा पोस्ट–डॉक्टोरल फेलोशिप प्रदान किया गया। प्रोफेसर अनिल त्यागी विश्वविद्यालय प्रतिनिधि हैं। प्रो0 अनिल त्यागी बायोकेमेस्ट्री डिपार्टमेंट, दक्षिण परिसर, दिल्ली विश्वविद्यालय के कई बार अध्यक्ष रह चुके हैं। आप अनेक 'राष्ट्रीय विज्ञान अकादमियों' के फैलो हैं एवं देश की विभिन्न Medical Research Councils के सदस्य हैं। सम्प्रति प्रो0 अनिल त्यागी UGC – SAP प्रोग्राम के संयोजक तथा WUS हैल्थ सेन्टर परामर्शदाता समिति के अध्यक्ष हैं। डॉ0 बी. के. जैन (कार्यवाहक प्राचार्य, मोतीलाल नेहरू कॉलेज) गवर्निंग बॉडी के सचिव हैं। मोतीलाल नेहरू कॉलेज (सांध्य) की ओर से सदस्य सर्वश्री डॉ. एस. के. शर्मा (कार्यवाहक प्राचार्य, सांध्य कॉलेज) एवं शिक्षक प्रतिनिधि डॉ0 वी. के. झा (इतिहास विभाग) एवं डॉ0 (श्रीमती) राजेश कुमारी (हिन्दी विभाग) हैं। प्रातः कॉलेज के शिक्षक प्रतिनिधि के रूप में डॉ0 प्रदीप अग्रवाल एवं श्री नेत्रपाल सिंह हैं। श्री श्याम बिहारी (नॉन टीचिंग) प्रातः कॉलेज एवं श्री रविन्दर गोयल (नॉन टीचिंग) सांध्य कॉलेज, विशेष आमंत्रित सदस्य हैं। प्रोफेसर जे. पी. खुराना की अध्यक्षता में यह गवर्निंग बॉडी जहाँ एक ओर कॉलेज की शैक्षिक एवं प्रशासनिक गतिविधियों के मार्गदर्शक के रूप में है वहीं दूसरी ओर कॉलेज की विभिन्न समस्याओं के निदान की दिशा में निरंतर प्रयासरत है।

कॉलेज भवन

आज कॉलेज के पास दस एकड़ भूखण्ड पर बना अपना भवन तो है परन्तु अभी भी अपूर्ण और अपर्याप्त है। अध्यापन कक्ष, सभागार भवन का निर्माण होना अभी शेष है। सांध्य कॉलेज सांय साढ़े तीन बजे आरंभ होकर रात नौ बजे तक चलता है, इससे प्राध्यापिकाओं और छात्राओं को विशेष रूप से कठिनाइयों का भयावह सामना करना पड़ता है। परिस्थितिजन्य इस कठिनाई के निराकरण के लिए हम सभी निरंतर प्रयत्नशील हैं।

आपको यह जानकर हर्ष होगा कि हमारे कॉलेज का कम्प्यूटर लैब सुचारू रूप से कार्यरत है।

पुस्तकालय

हमारे कॉलेज का पुस्तकालय बहुत समृद्ध होने के साथ–साथ पूर्णतः वातानुकूलित है। इसमें लगभग 68 हजार पुस्तकों का अनूठा संग्रह है। लगभग 40 देशी और विदेशी पत्र–पत्रिकाएँ उपलब्ध हैं। हमारा इलैक्ट्रोनिक रिसोर्स सेंटर भी पूर्णतः वातानुकूलित है और अत्याधुनिक कम्प्यूटर सिस्टम एवं सॉफ्टवेयर से सुसज्जित है। रिसोर्स सेंटर में प्राध्यापकों के लिए अलग से अध्ययन कक्ष की व्यवस्था है। पुस्तकालय का संचालन कार्यवाहक लाइब्रेरियन श्री राधेश्याम जोशी की देखरेख एवं पुस्तकालय समिति के परामर्श द्वारा होता है। श्रीमती उमा चौधरी (अंग्रेजी विभाग) पुस्तकालय परामर्श समिति की संयोजक हैं। वर्ष 2013–2014 सत्र में पुस्तकालय के आधुनिकीकरण के लिए प्रशासनिक विभाग की ओर से पुस्तकालय के लिए पुस्तकालय सॉफ्टवेयर, 2 प्रिंटर, 2 बारकोड मशीनें एवं अत्याधुनिक फोटोस्टेट मशीन की व्यवस्था की गई है। पुस्तकालय में भी प्राध्यापकों, छात्रों एवं कर्मचारियों के लिए 'आर. ओ.' सहित शीतल पेयजल की व्यवस्था की गई है। हमारे लिए हार्दिक प्रसन्नता का विषय है कि इस वर्ष पुस्तकालय विभाग के कार्यवाहक लाइब्रेरियन श्री आर. एस. जोशी ने एम. लिब. की परीक्षा प्रथम श्रेणी में उतीर्ण की।

यद्यपि आज विद्यार्थियों की संख्या में वृद्धि हुई है परन्तु पुस्तकालय स्टॉफ की संख्या सन् 1980 में जो थी आज भी वही है। इस संदर्भ में मैं यह सूचित करना चाहता हूँ कि पर्याप्त स्टाफ न होने पर भी पुस्तकालय सेवाएँ एक दिन के लिए भी बाधित नहीं हुई।

प्रशासनिक विभाग

वर्ष 2013–2014 से चार वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम (FYUP) के लागू होने से पिछले वर्षों की अपेक्षा कर्मचारियों का कार्यभार कई गुना बढ़ गया है। स्टाफ की कमी के बावजूद कर्मचारी इस चुनौती का सामना कुशलतापूर्वक कर रहे हैं। इसके लिए मैं प्रशासनिक अधिकारी श्री राजेश हांडू, सेक्शन ऑफिसर श्री देशराज चावला, अकाऊंट ऑफिसर श्री श्रवण कुमार और सभी कर्मचारियों का उनके सहयोग के लिए आभार प्रकट करता हूँ।

अध्यापक संकाय

यह कॉलेज का सौभाग्य है कि इसमें विशिष्ट योग्यताओं से विभूषित अनेक ऐसे प्राध्यापक हैं जो शोध–निर्देशक के रूप में कार्य कर रहे हैं। कॉलेज में कुल 88 प्राध्यापक हैं जिनमें 42 प्राध्यापक स्थाई हैं, 35 प्राध्यापक तदर्थ एवं 11 प्राध्यापक अतिथि के रूप में कार्यरत हैं। प्राध्यापकों के लेख प्रतिष्ठित पत्र–पत्रिकाओं में प्रायः छपते रहते हैं। यही नहीं, पिछले कई वर्षों से इतिहास विभाग के श्री दिनेश वार्ष्णेय अध्यापन कार्य के साथ–साथ विश्वविद्यालय स्तर पर डिप्टी डीन, स्टुडेंट वैलफेयर, दक्षिण परिसर के पद पर रहकर छात्रों की समस्याओं के निदान में सतत् अपनी भूमिका का प्रभावी ढंग से निर्वाह कर रहे हैं।

श्रीमती उमा चौधरी (अंग्रेजी विभाग) ने दिनांक 29–30 जनवरी 2014 को 'उच्च शिक्षा निदेशालय हरियाणा' की ओर से आयोजित National Seminar में "Challenges

of Teaching English for communication Written Versus Spoken English" विषय पर अपना आलेख प्रस्तुत किया।

श्रीमती उमा चौधरी ने 7–8 फरवरी 2014 को लिंग्या विश्वविद्यालय फरीदाबाद की ओर से आयोजित International Seminar में "Art and Artifact in Chetan Bhagat as a Dabbler in Campus Fiction" विषय पर अपना आलेख प्रस्तुत किया।

डॉ0 राजेश कुमार (अंग्रेजी विभाग) ने 20 मार्च 2014 को जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय में 'डॉ0 अम्बेदकर पीठ' की ओर से आयोजित National Seminar में 'The Dialectics of Epistemological Otherization of Dalit Identity in Indian discursive Framework' विषय पर व्याख्यान दिया।

डॉ0 राजेश कुमार 'Literaria' International Journal में अतिथि संपादक के रूप में कार्य कर रहे हैं। डॉ0 राजेश कुमार का शोध–पत्र "Exploring the Converging Dimensions in Australian Aboriginal and Dalit Autobiographies" South Asian International Journal में प्रकाशित हुआ।

डॉ0 राजेश कुमार ने IIT Delhi में मानविकी और सामाजिक विज्ञान विभाग द्वारा आयोजित व्याख्यान माला में "Dalit Writing and Aboriginal Writing : Convergences of Divergences" विषय पर 1st अप्रैल 2014 को व्याख्यान दिया।

डॉ0 राजेश कुमार ने गाँधी शांति प्रतिष्ठान में 6 मार्च 2014 को "Dalits vs Aboriginals" विषय पर व्याख्यान दिया।

डॉ0 हेमा दहिया (अंग्रेजी विभाग) ने दिनांक 16 अगस्त 2013 को जम्मू विश्वविद्यालय एवं शेक्सपीयर असोसिएशन (इंडिया) के तत्त्वावधान में आयोजित

International Conference में "The Roman Republic in Shakespeare's Julius Caesar and Coriolanus" विषय पर अपना शोध पत्र प्रस्तुत किया।

डॉ० हेमा दहिया की पुस्तक "Shakespeare Studies in Colonial Bengal : The Early Phase" शीर्षक से कैम्ब्रिज स्कार्लस पब्लिशिंग (Newcastle Upon Tyne, U.K.) से 2014 में प्रकाशित हुई।

डॉ० हेमा दहिया की यह बड़ी उपलब्धि है – हम सभी के लिए एवं कॉलेज के लिए यह गौरव की बात है।

डॉ० हेमा दहिया का शोध–पत्र "TAMAS : A Radical Historical Novel" साउथ एशियन 'इनसेम्बल' कनाडियन जर्नल लिट्रेचर एण्ड आर्ट, 2014 में प्रकाशित हुआ।

डॉ० प्रदीप शरण (अंग्रेजी विभाग) का शोध–पत्र Bhasha Literature; The Problem of Linguistic and Cultural Transference in Translation. The Solution Proposed" शीर्षक से डॉ० हरवीर सिंह रनधावा द्वारा संपादित पुस्तक 'Nation; Translation and Bhasha Literature' 2013 में प्रकाशित हुआ।

डॉ० प्रदीप शरण ने यू.जी.सी. एवं आइ.सी.एस.एस.आर. द्वारा देहरादून में आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में शोध पत्र प्रस्तुत किया।

डॉ० ज्योति जाखड़ दहिया (अंग्रेजी विभाग) को वर्ष 2014 में स्कूल ऑफ लैंग्वेज़ लिट्रेचर एण्ड कल्चर स्टडीज, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय की ओर से "History and Literature : Indian Canadian Diaspora and the incident of Kamagata Maru" शोध विषय पर पी–एच.डी. की उपाधि प्रदान की गई।

डॉ0 विद्याशंकर सिंह (हिंदी विभाग) ने दिनांक 6–7 मार्च 2014 को भारतीय भाषा केन्द्र, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली की ओर से आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी 'हिन्दी का स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम : पुनर्विचार की आवश्यकता' (दिल्ली के केन्द्रीय विश्वविद्यालयों के संदर्भ में) के अवसर पर 'आधुनिक काल का पाठ्यक्रम और नवीन सोच' शीर्षक से अपना आलेख प्रस्तुत किया।

Adv. Studies

डॉ0 अश्वनी कुमार (हिन्दी विभाग) ने जे.एन.यू. की ओर से आयोजित 6–7 मार्च 2014 दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'हिन्दी पाठ्यक्रम का पुनरावलोकन' शीर्षक से आलेख प्रस्तुत किया।

डॉ0 अश्वनी कुमार का भारतीय उच्च अध्ययन संस्थान शिमला (हिमाचल प्रदेश) की ओर से वर्ष 2013–14 "दलित साहित्य और समाज के उद्‌भव में हिन्दी पत्रकारिता का योगदान" विषय पर सअध्येता के रूप में चयन किया गया है।

डॉ0 अश्वनी कुमार ने दिनांक 14–15 अप्रैल 2014 को भारतीय उच्च अध्ययन संस्थान शिमला की ओर से आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'दलित कविता में कल्पना, मिथक और यथर्थ' विषय पर व्याख्यान दिया।

सुश्री सिम्मी चौहान (हिन्दी विभाग) ने 6–7 मार्च 2014 को जे.एन.यू. द्वारा आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'हिन्दी स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम – नई सोच एवं सुझाव' शीर्षक से अपना शोध–पत्र प्रस्तुत किया।

सिम्मी चौहान ने भारतीय भाषा केन्द्र जे.एन.यू. और आई.सी.एस.एस.आर. के तत्त्वावधान 14 जनवरी 2014 को आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में "जंगल के दावेदार और आदिवासी सवाल" शीर्षक से अपना शोध पत्र प्रस्तुत किया।

डॉ0 विपुल कुमार (हिन्दी विभाग) ने उन्नयन साहित्यिक सोसाइटी द्वारा आयोजित दो दिवसीय (31 जनवरी – 1 फरवरी 2014) राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'साहित्य के फिल्मांकन की चुनौतियाँ' विषय पर आलेख प्रस्तुत किया।

जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय में भारतीय भाषा केन्द्र द्वारा आयोजित दो दिवसीय (6–7 मार्च 2014) राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'आधुनिक काल का पाठ्यक्रम और सिनेमा' विषय पर आलेख प्रस्तुत किया।

इस वर्ष डॉ0 विपुल कुमार की दो पुस्तकें –

1. 'साहित्य और सिनेमा : अंतःसंबंध और रूपान्तरण'
2. (संपादन) 'आदिकालीन और भक्तिकालीन काव्य' शीर्षक से प्रकाशित हुई हैं।

डॉ0 विपुल कुमार का 'नेशन फर्स्ट' पत्रिका में 'रूपान्तरण की वैचारिक पृष्ठभूमि' विषय पर शोध–पत्र जनवरी 2014 में प्रकाशित हुआ।

डॉ0 राजेश कुमार (इतिहास विभाग) को "Social Dynamics of Political Leadership in Bihar : 1912-1939" विषय पर वर्ष 2014 में दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा पीएच.डी. की उपाधि से अलंकृत किया गया।

डॉ0 पिन्टु कुमार (इतिहास विभाग) को "Education in Ancient Magadh : A Study of Gurukulas and Mahaviharas" विषय पर दिनांक 6 मई 2013 को जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय द्वारा पीएच.डी. की उपाधि दी गई।

डॉ0 प्रिया भल्ला (अर्थशास्त्र विभाग) को "Mergers Acquisitionsin the Indian Financial Sector since Economic Reforms : An Emperical Exploration of

Determinants and effects" विषय पर वर्ष 2014 में पीएच.डी. की उपाधि प्रदान की गई।

डॉ0 प्रिया भल्ला ने 17–19 दिसम्बर 2013 को Indira Gandhi Institute of Development Research (IGIDR) मुम्बई द्वारा आयोजित अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "An emperical analysis on performance of acquirers in Indian financial sector : Pre of Post M&A" विषय पर अपना शोध–पत्र प्रस्तुत किया।

डॉ0 प्रिया भल्ला ने दिनांक 10–11 मार्च 2014 को श्री गुरू गोविन्द सिंह कॉलेज ऑफ कॉमर्स, दिल्ली विश्वविद्यालय की ओर से आयोजित International Conference में "Consolidation in Indian Financial Sector : Does it make the Sector Vulnerable to Financial Contagion" शोध–पत्र प्रस्तुत किया।

श्री एम. ए. ऑनेस्ट मोहिद्दीन (कॉमर्स विभाग) ने दिनांक 26–27 मार्च 2014 को J.M.C. दिल्ली विश्वविद्यालय की ओर से आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में "To compare the facilities of HRD Practices in the LIC of India : A case study of Madurai Division (T.N.)" विषय पर अपना शोध–पत्र प्रस्तुत किया।

डॉ0 सुषमा गुप्ता (राजनीति विज्ञान विभाग) ने दिल्ली विश्वविद्यालय के ILLL के E-portal के लिए तीन अध्याय का लेखन कार्य किया।

डॉ0 सुषमा गुप्ता ने सेन्टर फॉर वोमेन स्टडीज की ओर से आयोजित दिसम्बर 2013 में 'Feminist Theories' विषय पर सात दिवसीय कार्यशाला में भाग लिया।

डॉ0 विचित्रा (राजनीति विज्ञान विभाग) ने 12 दिसम्बर 2013 को दिल्ली विश्वविद्यालय के अफ्रिकन स्टडीज विभाग द्वारा आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में 'India's

Energy Ventures in Francophone Africa : Reinforcing the Global South Rhetoric' विषय पर आलेख प्रस्तुत किया।

डॉ0 विचित्रा ने 11 दिसम्बर 2013 को जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'China Investment Model in Africa : A Global South Perspective' विषय पर शोध–पत्र प्रस्तुत किया।

डॉ0 गजेद्रनाथ त्रिवेदी (राजनीति विज्ञान विभाग) ने 29 जून 2013 को इन्टरनेशनल स्टडीज असोसिएशन एण्ड कॉरविनस यूनिवर्सिटी, बुड़ापेस्ट, हंगरी द्वारा आयोजित अन्तर्राष्ट्रीय सेमिनार में 'Spectacle of Violence in South Asia : Multicausal Exploration' विषय पर शोध–पत्र प्रस्तुत किया।

डॉ0 राधानाथ त्रिपाठी (राजनीति विज्ञान विभाग) ने मार्च 2014 को Chicago, USA MPSA सम्मेलन में भाग लिया।

श्री चेतन टोकस (राजनीति विज्ञान विभाग) ने 26–27 अक्टुबर 2013 को KMC दिल्ली विश्वविद्यालय एवं ICSSR द्वारा आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में "Current of Contemporary Dalit Movements in Indian Polity : Issues and Dimensions" विषय पर शोध–पत्र प्रस्तुत किया।

स्टाफ काउंसिल

श्री नरेन्दर कुमार स्टॉफ काउंसिल के सचिव हैं। काउंसिल की बैठकें प्रायः होती रहती हैं जिनमें संस्था के शैक्षणिक स्तर और अनुशासन को बेहतर बनाने जैसे महत्त्वपूर्ण विषयों पर विशेष रूप से विचार–विमर्श होता है तथा पारित प्रस्तावों और सुझावों को

कार्यान्वित किया जाता है। श्री नरेन्दर कुमार ने इस सत्र में मुझे जो सहयोग दिया है, उसके लिए मैं उन्हें हार्दिक धन्यवाद देता हूँ।

कॉलेज में प्राध्यापकों एवं कर्मचारियों के कल्याणकारी कार्यों के लिए असोसिएशन और यूनियन आदि का गठन भी प्रति वर्ष की भाँति ही हुआ है।

स्टॉफ असोसिएशन :	अध्यक्ष	–	डॉ0 अश्वनी कुमार
	सचिव	–	डॉ0 पिन्टू कुमार
कर्मचारी असोसिएशन :	अध्यक्ष	–	श्री राधेश्याम जोशी
	सचिव	–	श्री राजेश हांडू

छात्र–संघ

आज का छात्र जहाँ अपने अधिकारों की माँग करता है वहीं वह अपने कर्तव्य के प्रति भी पूर्ण रूप से सजग है, जिसके कारण छात्र–संघ के पदाधिकारियों ने छात्रों की समस्याओं के समाधान में निरन्तर अपनी तत्परता दिखाई। इसके लिए मैं छात्रसंघ के पदाधिकारियों को बधाई देता हूँ। छात्रसंघ के सलाहकार डॉ0 एम. एस. राठी के प्रति मैं हार्दिक धन्यवाद ज्ञापित करता हूँ, जिन्होंने प्रशासन और छात्रसंघ के बीच सेतु का कार्य किया और सभी समस्याओं के निराकरण में मेरी निरंतर सहायता की।

वर्तमान छात्रसंघ के पदाधिकारी हैं :–

अध्यक्ष	:	सतीश कुमार
उपाध्यक्ष	:	वीरपाल सिंह गिल
सचिव	:	ओमवीर डागर
संयुक्त सचिव	:	अभय गुप्ता
सेंट्रल काऊंसलर	:	रवि राव, विक्रम सिंह

कॉलेज के छात्रसंघ के तत्त्वावधान में दिनांक 21–22 मार्च, 2014 को सांस्कृतिक उत्सव का सफल आयोजन हुआ। इस अवसर पर विभिन्न कॉलेजों के छात्र–छात्राओं द्वारा भव्य रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया। इस कार्यक्रम की सबसे बड़ी सफलता यह थी कि इसकी सभी प्रस्तुतियाँ और प्रबंधन विद्यार्थियों तथा छात्र–संघ के पदाधिकारियों के सामूहिक प्रयत्न का प्रतिफल था। छात्र संघ के परामर्शदाता डॉ0 एम. एस. राठी एवं सदस्य श्री प्रभात चौधरी, श्री काना राम मीणा की निष्ठा और परिश्रम से यह सांस्कृतिक कार्यक्रम अत्यंत सफल, प्रभावी और आकर्षक रहा।

अध्ययनरत विद्यार्थी एवं परीक्षा परिणाम

हमारे महाविद्यालय में वर्ष 2013–2014 के सत्र में 2102 विद्यार्थी अध्ययनरत हैं। छात्रों की संख्या 1523 हैं तथा छात्राओं की संख्या 579 है।

यह हम सभी के लिए प्रसन्नता का विषय है कि हमारा शैक्षणिक स्तर दिनों–दिन श्रेष्ठ से श्रेष्ठतर हुआ है। इसका उल्लेख करते हुए मुझे सुखद अनुभूति हो रही है। हमारा परीक्षा परिणाम बहुत अच्छा रहा है। मैं क्रमशः परीक्षा परिणाम का उल्लेख कर रहा हूँ –

बी. ए. प्रोग्राम प्रथम वर्ष	–	91 प्रतिशत
बी. ए. प्रोग्राम द्वितीय वर्ष	–	96 प्रतिशत
बी. ए. प्रोग्राम तृतीय वर्ष	–	46 प्रतिशत

बी. कॉम. प्रथम वर्ष	–	97 प्रतिशत
बी. कॉम. द्वितीय वर्ष	–	100 प्रतिशत
बी. कॉम. तृतीय वर्ष	–	84 प्रतिशत
बी. कॉम. ऑनर्स प्रथम वर्ष	–	80 प्रतिशत
बी. कॉम. ऑनर्स द्वितीय वर्ष	–	95 प्रतिशत
बी. कॉम. ऑनर्स तृतीय वर्ष	–	96 प्रतिशत
अंग्रेजी ऑनर्स प्रथम वर्ष	–	63 प्रतिशत
अंग्रेजी ऑनर्स द्वितीय वर्ष	–	88 प्रतिशत
अंग्रेजी ऑनर्स तृतीय वर्ष	–	92 प्रतिशत
हिन्दी ऑनर्स प्रथम वर्ष	–	90 प्रतिशत
हिन्दी ऑनर्स द्वितीय वर्ष	–	91 प्रतिशत
हिन्दी ऑनर्स तृतीय वर्ष	–	82 प्रतिशत
इतिहास ऑनर्स प्रथम वर्ष	–	54 प्रतिशत
इतिहास ऑनर्स द्वितीय वर्ष	–	65 प्रतिशत
इतिहास ऑनर्स तृतीय वर्ष	–	100 प्रतिशत

राजनीति विज्ञान ऑनर्स प्रथम वर्ष	–	87 प्रतिशत
राजनीति विज्ञान ऑनर्स द्वितीय वर्ष	–	90 प्रतिशत
राजनीति विज्ञान ऑनर्स तृतीय वर्ष	–	78 प्रतिशत

सांस्कृतिक–अकादमिक गतिविधियाँ

यह सूचित करते हुए हर्ष हो रहा है कि कॉलेज में वर्ष भर शैक्षिक व्याख्यान व सांस्कृतिक गतिविधियाँ निरंतर चलती रही हैं। इनका श्रेय यहाँ के प्राध्यापकों और विद्यार्थियों को जाता है।

हिन्दी साहित्य परिषद्, हिन्दी विभाग की ओर से व्याख्यान कार्यक्रम आयोजित किया गया। 31 मार्च 2014 'स्वाधीनता आन्दोलन में हिन्दी साहित्य की भूमिका' विषय पर मुख्य वक्ता के रूप में डॉ0 कृष्णदत्त पालीवाल (पूर्व अध्यक्ष, हिंदी विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय) ने अपना सारगर्भित व्याख्यान दिया। कार्यक्रम का संचालन डॉ0 प्रेमलता शर्मा (प्रभारी हिन्दी विभाग) ने किया। डॉ0 पुष्कर सिंह (संयोजक, हिन्दी साहित्य परिषद्) ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

वाणिज्य विभाग की ओर से दिनांक 3 अप्रैल, 2014 को 'वाणिज्य उत्सव' का आयोजन किया गया। इस उत्सव में कई प्रकार की प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया – चित्रकला प्रतियोगिता, रंगोली, व्यवसाय योजना, वाद–विवाद तथा मिस्टर एवं मिस वाणिज्य। इस अवसर पर विद्यार्थियों ने अपनी कलात्मक अभिव्यक्ति की पराकाष्ठा के प्रति समर्पण को दर्शाया। वास्तव में यह उत्सव छात्रों में कला, संगीत के प्रति विशेष रूप से अभिरूचि उत्पन्न करने का एक सुखद अवसर साबित हुआ।

कॉलेज पत्रिका

"अस्मिता" कॉलेज की पत्रिका है, जो नियमित रूप से प्रतिवर्ष प्रकाशित होती है। इसमें पूरे वर्ष की कॉलेज में होने वाली विभिन्न गतिविधियों का सचित्र विवरण तो होता ही है, साथ ही यह पत्रिका छात्र–छात्राओं को उनकी रचनात्मक प्रतिभा की अभिव्यक्ति के लिए भी एक मंच प्रदान करती है। "अस्मिता" में कॉलेज के प्राध्यापकों–कर्मचारियों की रचनाएँ भी छपती हैं। इस वर्ष इसके प्रकाशन की देख–रेख के संपादक मंडल के सदस्य हैं –

प्रधान संपादक	:	डॉ० अश्वनी कुमार (हिन्दी विभाग)
सदस्य, संपादक मंडल	:	डॉ० राजेश कुमार (अंग्रेजी विभाग)
सदस्य, संपादक मंडल	:	डॉ० विष्णु चरण नाग (अर्थशास्त्र विभाग)

इस वर्ष दिल्ली विश्वविद्यालय के द्वारा एक वृहद् परियोजना 'इनोवेशन प्रोजेक्ट' के क्रियान्वयन का दायित्व कॉलेज को दिया गया है। इस वृहद परियोजना का क्रियान्वयन डॉ० राधानाथ त्रिपाठी (राजनीति विज्ञान) के निर्देशन में हो रहा है। डॉ० विष्णुचरण नाग (अर्थशास्त्र विभाग) एवं श्री रजनीश क्लेर (कॉमर्स विभाग) परियोजना–क्रियान्वयन समिति के सदस्य के रूप में कार्य कर रहे हैं।

मोतीलाल नेहरू कॉलेज (सांध्य) के छात्रों एवं प्राध्यापकों द्वारा चारों मेट्रो सिटी दिल्ली, मुंबई, कोलकाता और चेन्नई के प्राइवेट स्कूलों में EWS कैटिगरी के छात्रों के नामांकन में होने वाली समस्याओं के संदर्भ में सैद्धान्तिक एवं व्यावहारिक रूप से पड़ताल की जाएगी।

दिनांक 14,15,16 फरवरी, 2014 को दिल्ली विश्वविद्यालय की ओर से 'अंतर–ध्वनि' सांस्कृतिक उत्सव का आयोजन किया गया। आज दिल्ली विश्वविद्यालय की पहचान विस्तार और वैविध्य के लिए सम्पूर्ण विश्व में है। निश्चित ही यह सांस्कृतिक उत्सव 'अंतर–ध्वनि' इस सच की अनुभूति कराने में सक्षम साबित हुआ।

इस समारोह में उपस्थित होकर कॉलेज के विद्यार्थियों ने जहाँ एक ओर इस भव्य आयोजन का भरपूर आनंद लिया वहीं दूसरी ओर कॉलेज की गरिमा को ध्यान में रखते हुए अपने दायित्व के प्रति लगन, निष्ठा का अभूतपूर्व परिचय दिया। वहाँ उपस्थित हम प्राध्यापकों को सही मायने में इनकी कार्य–कुशलता, दक्षता को देखने का अवसर भी मिला।

खेल–कूद

फुटबाल

इस वर्ष खेल जगत में हमारे कॉलेज की उपलब्धियाँ विशिष्ट रही हैं। वर्ष 2013–14 में स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर 'तरूण संघ' द्वारा आयोजित एक दिवसीय फुटबाल टूर्नामेन्ट में हमारा कॉलेज उपविजेता रहा। दिनांक 24,25,26 जनवरी 2014 को हरियाणा की ओर से आयोजित 47वें 'हरियाणा युवा महोत्सव' के अवसर पर भी मोतीलाल नेहरू कॉलेज (सांध्य) को ही उपविजेता घोषित किया गया।

दिनांक 5–9 फरवरी 2014 को 'अक्षरधाम सोसायटी' के द्वारा आयोजित 'यूनाईटेड फुटबाल टूर्नामेन्ट' में कॉलेज को विजेता होने का गौरव प्राप्त हुआ। दिनांक 8–10 मार्च 2014 को 'बिट्स पिलानी गोवा' की ओर से आयोजित 'सिप्री–2014' फुटबाल प्रतियोगिता में हमारा कॉलेज प्रथम रहा।

दिसम्बर 2014 में 'यूथ चैरिटी' फुटबाल प्रतियोगिता में भी हमारा कॉलेज प्रथम रहा। इस वर्ष दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित अन्तर्महाविद्यालयी फुटबाल प्रतियोगिता में लगातार दूसरे वर्ष में भी हमारा कॉलेज विजेता रहा। 'फुटबाल प्रतियोगिता' में लगातार दो बार विजयी होना यह हमारे लिए अत्यंत गौरव की बात है।

उत्तर भारत अन्तर्विश्वविद्यालयी 'फुटबाल टूर्नामेन्ट' में दिल्ली विश्वविद्यालय तृतीय स्थान पर रहा। दिल्ली विश्वविद्यालय के फुटबाल के इतिहास में अखिल भारतीय विश्वविद्यालय फुटबाल प्रतियोगिता में दिल्ली विश्वविद्यालय पहली बार तृतीय स्थान प्राप्त किया। इन दोनों फुटबाल प्रतियोगिताओं में दिल्ली विश्वविद्यालय को तृतीय स्थान दिलाने में हमारे कॉलेज का सर्वाधिक योगदान रहा है। दिल्ली विश्वविद्यालय फुटबाल टीम में 8 खिलाड़ी हमारे महाविद्यालय से ही थे। आज वार्षिकोत्सव के अवसर पर इन खिलाड़ियों के नाम का उल्लेख करते हुए अपार हर्ष की अनुभूति हो रही है – गौरव रावत, नीतिश छिक्कारा, पवन शर्मा, सुमित रावत, उमेश कुमार, शशांक ममगई तथा अभिषेक रावत। अभिषेक रावत हमारे महाविद्यालय की फुटबाल टीम के कप्तान हैं – ये विशेष रूप से बधाई के पात्र हैं – इन्हीं की कप्तानी में दिल्ली विश्वविद्यालय ने पहली बार फुटबाल के मैदान पर अभूतपूर्व सफलता प्राप्त की है।

हमारे कॉलेज के तीन विद्यार्थी – मोनू चौधरी, अभिषेक रावत तथा शशांक ममगई ने राष्ट्रीय फुटबाल प्रतियोगिता 'संतोष ट्राफी' के लिए दिल्ली राज्य का प्रतिनिधित्व किया। मोनू चौधरी को दिल्ली राज्य फुटबाल टीम का कप्तान घोषित किया गया। इस प्रतियोगिता में हमारे कॉलेज के इन तीनों खिलाड़ियों ने ही खेल का शानदार प्रदर्शन करते हुए क्रमशः एक–एक गोल दागने के अपने स्वर्णिम अवसर का लाभ उठाया। इसके अलावा प्रथम वर्ष के छात्र पंकेज नेगी ने 'संतोष ट्राफी' के लिए उत्तराखण्ड राज्य का प्रतिनिधित्व किया। इस वर्ष भारत में आयोजित 'इंडियन नेशनल लीग' द्वितीय श्रेणी फुटबाल प्रतियोगिता में हमारे

कॉलेज के चार विद्यार्थियों का चयन किया गया। ये विद्यार्थी हैं – सुमित रावत, अभय राना, पंकज नेगी एवं अभिषेक रावत।

हमारे लिए अत्यंत गर्व की बात है कि कॉलेज के इतिहास में पहली बार नीतिश छिक्कारा का बैंगलूर में आयोजित 'भारतीय फुटबाल कैम्प' के लिए चयन किया गया।

बॉक्सिंग

दिल्ली विश्वविद्यालय की ओर से आयोजित अन्तर्महाविद्यालयी बॉक्सिंग प्रतियोगिता में हमारे विद्यार्थी राजेश कुमार ने 49 कि0 ग्रा0 वजन में ब्रान्ज मेडल, आदित्या ने 81 कि0 ग्रा0 वर्ग में ब्रान्ज मेडल तथा 91 कि0 ग्रा0 में कृष्ण ने ब्रान्ज मेडल प्राप्त किया।

कुश्ती

प्रथम वर्ष के विद्यार्थी आकाश यादव ने अन्तर्महाविद्यालयी कुश्ती प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक प्राप्त करके कॉलेज को गौरवान्वित किया है।

भारोत्तोलन

द्वितीय वर्ष के विद्यार्थी अरूण कुमार ने दिल्ली विश्वविद्यालय भारोत्तोलन प्रतियोगिता में काँस्य पदक प्राप्त किया।

बॉडी बिल्डिंग

दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित 'अन्तर्महाविद्यालयी बॉडी बिल्डिंग प्रतियोगिता' में प्रथम वर्ष के विद्यार्थी गोविन्दा ने स्वर्ण पदक प्राप्त किया। गोविन्दा ने ही 'ओपेन दिल्ली' तथा 'मिस्टर इंडिया प्रतियोगिता' में चौथा स्थान प्राप्त किया। गोविन्दा की यह एक विशिष्ट उपलब्धि है।

पॉवर लिफ्टिंग

द्वितीय वर्ष के विद्यार्थी गणेश जी ने इस वर्ष दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित पावर लिफ्टिंग प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक प्राप्त किया।

हॉकी

इस वर्ष हमारे कॉलेज के द्वितीय वर्ष के विद्यार्थी तरूण कुमार ने दिल्ली विश्वविद्यालय हॉकी टीम का प्रतिनिधित्व किया। हमारे कॉलेज के 12 विद्यार्थियों ने दिल्ली राज्य/दिल्ली विश्वविद्यालय टीम का प्रतिनिधित्व राष्ट्रीय प्रतियोगिता में किया – इनके नाम का उल्लेख करते हुए हमें हार्दिक प्रसन्नता की अनुभूति हो रही है –

अभिषेक रावत	–	फुटबाल
पवन शर्मा	–	फुटबाल
नितीश छिक्कारा	–	फुटबाल
गौरव रावत	–	फुटबाल
उमेश कुमार	–	फुटबाल
शशांक ममगई	–	फुटबाल
मोहित कुमार	–	फुटबाल
सुमित रावत	–	फुटबाल
गणेश जी	–	पावर लिफ्टिंग
गोविन्दा	–	बॉडी बिल्डिंग
आकाश यादव	–	रेसलिंग
तरूण	–	हॉकी

खेल दिवस

हर वर्ष की भाँति इस वर्ष 27 मार्च 2014 को कॉलेज में खेल दिवस का आयोजन किया गया। इस आयोजन में विद्यार्थियों के द्वारा प्रस्तुत भव्य मार्च–पास्ट तथा प्राचार्य द्वारा किया गया ध्वजारोहण विशेष रूप से आकर्षण का केन्द्र बना। खेल के मैदान में मार्च–पास्ट सभी खिलाड़ियों एवं एथलीट्स के विजेता बनने के दृढ़ संकल्प को चरितार्थ कर रहा था। इस प्रतियोगिता में जहाँ एक ओर लगभग 250 विद्यार्थियों ने विभिन्न प्रतियोगिताओं में तथा वहीं दूसरी ओर 40 प्राध्यापकों एवं 30 कर्मचारियों ने विभिन्न प्रकार की दौड़, रस्साकस्सी, म्यूजिकल चेयर जैसी प्रतियोगिताओं में भाग लेकर खेल दिवस को अविस्मरणीय बनाया।

इस अवसर पर अर्जुन अवॉर्ड से सम्मानित एवं ओलम्पियन श्री परमजीत सिंह मुख्य अतिथि थे। आप सभी को यह जानकर हर्ष होगा कि 400 मीटर के धावक श्री मिल्खा सिंह का पिछले 40 वर्षों का जो पुराना कीर्तिमान था उसे खेल दिवस पर उपस्थित मुख्य अतिथि श्री परमजीत सिंह ने ही ध्वस्त करके एक नया कीर्तिमान स्थापित किया।

अब मैं कॉलेज खेल जगत की महत्त्वपूर्ण घोषणा करने जा रहा हूँ। इस वर्ष श्री अभिशेष रावत (बी.ए. प्रोग्राम) द्वितीय वर्ष को वर्ष 2013–14 का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी घोषित किया गया। श्री अभिषेक रावत के नेतृत्व में दिल्ली विश्वविद्यालय को पहली बार राष्ट्रीय स्तर की फुटबाल प्रतियोगिता में कास्य पदक प्राप्त करने का गौरव प्राप्त हुआ।

मैं कॉलेज की खेल उपलब्धियों के लिए डॉ0 एम. एस. राठी, एसोसिएट प्रोफेसर – फिजिकल एजुकेशन को हार्दिक धन्यवाद देता हूँ, जिनके कुशल निर्देशन और परिश्रम से ही हमारे कॉलेज के प्रतियोगी खिलाड़ियों ने राष्ट्रीय स्तर पर कीर्तिमान स्थापित किए हैं।

प्रस्तुत विवरण की परिसमाप्ति से पूर्व मैं अपने सभी सहकर्मी प्राध्यापकों, कर्मचारियों तथा विभिन्न समितियों के संयोजकों एवं सदस्यों के प्रति अपना आभार प्रकट करना चाहता हूँ जिनके सहयोग के अभाव में यह सब संभव नहीं था। डॉ0 विद्याशंकर सिंह (हिन्दी विभाग), श्रीमती उमा चौधरी (अंग्रेजी विभाग) एवं डॉ0 प्रदीप शरण (अंग्रेजी विभाग) के प्रति विशेष आभार, जिन्होंने वार्षिक विवरण को प्रस्तुत करने की दिशा में मेरा निरंतर सहयोग किया।

दिल्ली पुलिस के अधिकारी मेरे विशेष धन्यवाद के पात्र हैं जिन्होंने कानून व्यवस्था बनाए रखने में निरंतर सक्रियता के साथ अपने गहन दायित्त्व का निर्वाह किया।

छात्र–छात्राओं का उल्लेख इस दृष्टि से विशेष महत्वपूर्ण है जिन्होंने अनेक अभावों और कठिनाइयों के होते हुए भी न केवल अध्ययन के क्षेत्र में अपितु राष्ट्रीय स्तर के खेल–जगत में भी अपना स्थान बनाकर हमें गौरवान्वित किया है।

मैं श्री अशोक वाजपेयी जी के प्रति विशेष रूप से अनुगृहित हूँ जिन्होंने अपने व्यस्त कार्यक्रम से समय निकालकर हम सबको उपकृत कर इस संस्था को गौरव प्रदान किया। आज के उत्सव की सफलता के लिए मैं अपने सहयोगी प्राध्यापकों, कर्मचारियों तथा छात्र–छात्राओं को बधाई देता हूँ तथा उनके प्रति पुनः धन्यवाद ज्ञापित करता हूँ।

दिनांक : 22 अप्रैल, 2014

डॉ. एस. के. शर्मा

कार्यवाहक प्राचार्य